Title: Regarding situation arising out of misuse of POTA in the country, especially in Uttar Pradesh.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, सरकार आतंकवाद तथा आतंकवाद को प्रोत्साहित करने वाले तत्वों से निपटने के लिए बहुत बेताब थी इसलिए इस सदन में पोटा लाया गया। दादागिरी के बल-बूते पर, बहुमत के बल-बूते पर लोक सभा से पोटा पास हो गया, लेकिन राज्य सभा से वह पास नहीं हो पाया। इसके बाद सरकार ने 26 मार्च, 2002 को एक संयुक्त अधिवेशन बुलाया और उस संयुक्त अधिवेशन में पोटा पास हो गया। समाजवादी पार्टी को आशंका थी कि टाडा के अनुभव हमारे सामने हैं और इस पोटा का भी दुरुपगयोग राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ होगा। आज वही काम हो रहा है। श्री वैको साहब जो दोनों हाथ उठाकर पोटा का समर्थन कर रहे थे, वे आज जेल में हैं और उनके ऊपर आरोप है कि वह लिट्टे समर्थक थे। मुझे माफ करें जिस समय इनको पोटा के अंतर्गत बंद किया गया, तब भारत सरकार लिट्टे समर्थकों से बातचीत कर रही थी।

आज उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है? उत्तर प्रदेश में जो तांडव नृत्य पोटा के नाम पर हो रहा है, विधायकों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वहां जान-बूझकर लोगों को उत्पीड़ित करने का काम हो रहा है, यह बहुत गंभीर मामला है। राजा भैया जो पाँच-साढ़े पाँच साल तक भारतीय जनता पार्टी सरकार में मंत्री रहे, तब उनका आचरण कैसा था - वे दूध के धुले थे। जब राजा भैया ने मायावती सरकार की आलोचना करनी शुरू की तो राजा भैया के खिलाफ पोटा लगाकर उनके पिता उदय प्रताप सिंह पर भी पोटा लगाया। अक्षय प्रताप सिंह जो विधायक हैं, उनके खिलाफ पोटा लगाया और तमाम विधायकों के साथ उत्पीड़न की कार्रवाई हो रही है।

उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री ने आरोप लगाये हैं कि ये लोग मेरी हत्या की साजिश कर रहे थे और राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह के आई.एस.आई. से सम्बन्ध है। ये आरोप बेबुनियाद हैं। भारत सरकार से बात की गई तो जवाब मिला कि अरुण जेटली कानून मंत्री इसकी जांच करेंगे। वे बताएं कि उन्होंने इस मामले में क्या जाँच की है और क्या तथ्यों का पता लगाया है। पोटा का दुरुपयोग अपने प्रतिद्वंद्वियों से निपटने के लिए हो रहा है। समाजवादी पार्टी के जो हमदर्द लोग हैं, उन्के उत्पीड़न की कार्रवाई हो रही है।

अंत में बड़ी विनम्रता से मैं कहना चाहता हूँ कि आप देखें कि किस तरह से उत्तर प्रदेश की सरकार चल रही है। मैं मल्होत्रा जी को याद दिलाना चाहता हूँ कि पोटा के सवाल पर आपके कानून मंत्री और गृह मंत्री ने विश्वास दिलाया था कि इसका दुरुपयोग नहीं होने देंगे।

आज बी.जे.पी. के लोगों ने, लोक दल के लोगों ने मायावती के सामने समर्पण कर दिया है। आपकी तो कोई औकात ही नहीं है। आपकी तो कोई हस्ती ही नहीं है। ि वनय कटियार बोलते हैं, कलराज मिश्र बोलते हैं, राजनाथ सिंह बोलते हैं कि राजा भैया और उनके पिता पर पोटा गलत लगाया गया है, इसे वापस लिया जाना चाहिए। आज कहां चले गए विनय कटियार ? कल-परसों के हिन्दुस्तान में विनय कटियार का बयान छपा है जिसमें कटियार जी ने कहा है कैसा राजा भैया और कैसा पोटा।

आज मायावती जो कुछ कर रही हैं, उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री जो कुछ कर रही हैं, वह बी.जे.पी. और लोक दल के इशारे पर कर रही हैं वरना उनकी हिम्मत नहीं है कि किसी व्यक्ति के ऊपर उत्तर प्रदेश में पोटा लगा सकें। यह गम्भीर मामला है। इसलिए मेरा निवेदन है कि कानून मंत्री और गृह मंत्री यहां आकर सदन को आश्वस्त करें कि जिन-जिन के ऊपर पोटा लगाया गया है, राजा भैया, उदय प्रताप सिंह, अक्षय प्रताप सिंह आदि के ऊपर से पोटा वापस लिया जाए।

अध्यक्ष महोदय, हम आपका संरक्षण चाहते हैं और आपके माध्यम से निवेदन करना चाहते हैं कि कानून मंत्री और गृह मंत्री आकर बताएं कि उत्तर प्रदेश में जिन-जिन के विरुद्ध पोटा लगा है, उसका औचित्य क्या है, उसका आधार क्या है और उसकी बुनियाद क्या है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, कृपया बैठिए।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष जी, माननीय रामजी लाल सुमन जी ने जो सवाल उठाया है कि पोटा का दुरुपयोग हुआ है, मैं यह जानना चाहता हूं, प्रधान मंत्री जी और उप प्रधान मंत्री जी जिनके पास गृह मंत्रालय भी है, अभी उठ कर चले गए, हमारा यह आरोप नहीं है, यह चर्चा का विाय है, इसलिए आरोप हो जाता है। पूरे अधिकारियों और जनता के बीच यह बात है कि जब पहले राजा भैया जिनका नाम रघुराज प्रताप सिंह है, मुख्य मंत्री के इशारे पर गिरफ्तार किया गया। एक मंत्री अपनी कार में ए.के.56 राइफल ले गया और हजरत गंज कोतवाली की पुलिस से कहा कि इसके साथ आपने कोई अवैध हथियार का आरोप नहीं लगाया है। पुलिस ने कहा कि हम इलैक्ट्रोनिक मीडिया, प्रैस मीडिया और अखबार के सामने कह चुके हैं कि इनके पास से कोई अवैध हथियार नहीं मिला है। उसके बाद उन्हें तत्काल वहां से लखनऊ कोतवाली ले गए। वहां उत्तर प्रदेश सरकार के एक मंत्री अपनी कार में ए.के.56 राइफल रखकर ले गए। इस पर गम्भीरता पूर्वक सोचिए। उसके बाद पुलिस ने मना कर दिया और जब उनके पिता जो 74 साल की उम्र के बूढ़े थे, संन्यास ले चुके थे, उन्हें पकड़ा गया और उनके पास ए.के.56 राइफल होना बताया गया और इस प्रकार से उनके ऊपर फर्जी चार्ज लगाया गया। यह ाड्यंत्र उ.प्र.के मंत्री और मुख्य मंत्री ने किया है।

हम जानना चाहते हैं केन्द्र सरकार के पास आई.बी. है, रॉ है, सी.बी.आई. है और तमाम जासूसी एजेंसियां हैं, क्या प्रधान मंत्री जी को पता नहीं चल पाया, क्या उप प्र धान मंत्री जी को पता नहीं चल पाया? खबर यह है कि किसी एजेंसी ने दिल्ली की केन्द्र सरकार को बता दिया है कि उनके ऊपर फर्जी ए.के.56 राइफल का चार्ज लगाया गया है। इस प्रकार से पोटा का कानून निर्दो लोगों पर लगाया जाएगा और दिल्ली की सरकार चुप रहेगी और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री चाहे जिसको पोटा में बन्द कर के जेल भेज देंगे, यह कैसे चलेगा ? मैं आपसे और पूरे सदन के माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि पोटा का इस्तेमाल राजनैतिक प्रतिशोध की भावना से किया जा रहा है जो नहीं करना चाहिए। यदि इसका प्रयोग प्रतिशोध की भावना से, राजनीति से प्रेरित होकर किया गया और इस पर अंकुश नहीं लगाया गया और पोटा को वापस नहीं लिया गया, तो मैं आज बताना चाहता हूं कि इसके कारण उत्तर प्रदेश टूटने के कगार पर पहुंच जाएगा। वहां इसके कारण आज गृह-युद्ध की स्थिति बनती जा रही है। चाहे किसी दल की सभा हो, तलवार उठाई जा रही हैं, शंका व्यक्त की जा रही है। इससे देश का पूरा का पूरा वातावरण खराब हो रहा है। इसलिए मैं चाहता हूं कि इस पर गम्भीरता से विचार कीजिए।

अध्यक्ष महोदय, चाहे राजा भैया हों, चाहे उनके पिता हों, चाहे राजा राम पांडे हों, चाहे रामनाथ सरोज या जय प्रकाश यादव हों, उन सबके विरुद्ध पोटा और रासुका के तहत लगाए गए चार्जेज समाप्त किए जाएं और पोटा को खत्म किया जाए। मैं आज दिल्ली सरकार को सदन में यह कह कर सावधान करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार, देश और समाज को तोड़ने का काम कर रही है। पोटा को तत्काल समाप्त करिए वरना उत्तर प्रदेश में गृह-युद्ध होने से कोई रोक नहीं पाएगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस विाय पर बोलना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास क्रिकेट के बारे में एक नोटिस आया है। मैं आपको उस पर बोलने के लिए समय देने वाला हूं।

श्री कीर्ति झा आज़ाद : अध्यक्ष महोदय, मैं पोटा के ऊपर भी बोलना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। मैं आपको भी समय दूंगा, लेकिन डा. रघुवंश प्रसाद सिंह जी के बाद।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, माननीय रामजी लाल सुमन एवं माननीय मुलायम सिंह जी ने जो सवाल उठाया है कि पोटा का दुरुपयोग किया जा रहा है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री वाईको, जो तामिलनाडु से हैं, उनके बारे में आपको मालूम ही है कि तामिलनाडु सरकार ने उनके ऊपर पोटा का दुरुपयोग किया।

उत्तर प्रदेश में जुल्म हो रहा है, पोटा का दुरुपयोग हो रहा है। भारत सरकार के मंत्री जी ने बार-बार कहा था कि पोटा का दुरुपयोग नहीं होगा, केन्द्र सरकार के मंत्रियों ने कहा था लेकिन फिर भी पोटा का दुरुपयोग हो रहा है। इस पर इनका क्या कहना है? सरकार क्यों चुप बैठी है, जब कि पोटा का दुरुपयोग देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहा है। सरकार ने कहा था कि पोटा का दुरुपयोग नहीं होगा, लेकिन फिर भी पोटा का दुरुपयोग हो रहा है और सरकार मौन बैठी है।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमें भी इस पर बोलने की इजाजत दी जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बोलने की इजाजत दी जाएगी।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, we fully support the demand made by Shri Mulayam Singh Yadav; POTA should be totally scrapped immediately.